

अनपकरण/अनपकर्म पुं. (तत्.) 1. अपकार न करना, हानि न पहुँचाना 2. ऋण न चुकाना।

अनपकार वि. (तत्.) अहित, अपकार या अनिष्ट का अभाव।

अनपकारक वि. (तत्.) निर्दोष, जो हानिकारक या अनिष्टकारी न हो।

अनपकारी वि. (तद्.) अहित या अपकार न करनेवाला।

अनपकृत वि. (तत्.) जिसका अहित न हुआ हो पुं. (तत्.) दोष का अभाव।

अनपक्रम पुं. (तत्.) अपक्रम का अभाव, दूर न जाना।

अनपक्रिया स्त्री. (तत्.) अनपक्रम।

अनपघात पुं. (तत्.) अपघात का अभाव, हिंसा का न होना।

अनपच पुं. (तद्.) अपच, अजीर्ण, बदहजमी।

अनपचारी वि. (तत्.) 1. जो अपराधी, दोषी न हो, निरपराध, निर्दोष 2. अपने कर्तव्यपालन में चूक न करने वाला।

अनपच्युत वि. (तत्.) 1. विचलित न होने वाला, डावाँडोल न होनेवाला 2. विश्वासपात्र, विश्वसनीय।

अनपढ़ वि. (तद्.) 1. अपढ़, निरक्षर 2. मूर्ख।

अनपत्य वि. (तत्.) 1. अपत्य अर्थात् संतान से रहित, निःसंतान, संतानहीन 2. जो बच्चों के अनुकूल न हो।

अनपत्यता स्त्री. (तत्.) निःसंतान होने की स्थिति।

अनपत्यदोष पुं. (तत्.) बाँझपन।

अनपभ्रंश पुं. (तत्.) 1. वह शब्द जो अपभ्रंश न हो। 2. वह शब्द जो अपने शुद्ध रूप में हो, विकृत रूप में न हो।

अनपराध वि. (तत्.) अपराधरहित, निर्दोष, बेकसूर पुं. निर्दोषता।

अनपराधी वि. (तत्.) निरपराध, निर्दोष, दोषरहित।

अनपहार्य वि. (तत्.) जो छीना न जा सके, अहरणीय।

अनपहुँची वि. (तद्.) 1. जिस तक पहुँचा न गया हो। 2. जो लक्ष्य तक पहुँची न हो।

अनपाय वि. (तत्.) (अपाय अर्थात् हानि या बाधा रहित) क्षयरहित, अविनाशी पुं. 1. अनश्वरता 2. नित्यता 3. शिव।

अनपायनी वि. (तत्.) 1. सदा रहने वाली, शाश्वत 2. अविचल, अचल।

अनपायी वि. (तत्.) स्थिर, निश्चल, अचल, दृढ़; अनश्वर।

अनपेक्ष वि. (तत्.) 1. चाह या अपेक्षा न रखनेवाला, निरपेक्ष 2. तटस्थ, किसी की चिंता न करनेवाला।

अनपेक्षतः अव्य. (तत्.) (पर) ध्यान दिए बिना, (का) विचार किए बिना, (को) दृष्टि में लाए बिना।

अनपेक्षा स्त्री. (तत्.) 1. अपेक्षा का अभाव 2. बेपरवाही।

अनपेक्षित वि. (तत्.) जो अपेक्षित या आवश्यक न हो, जिसकी परवाह न हो, जिसकी आवश्यकता या चाह न हो।

अनपेत वि. (तत्.) 1. जो दूर न चला गया हो 2. जो व्यतीत न हुआ हो। जो बीता न हो। (अनपेत समय) 3. जो गलत मार्ग पर न गया हो, जो विपथगामी न हो 4. जो अलग न हो, अपृथक 5. जो वर्जित न हो।

अनबंधा वि. (तद्.) जो बंधा हुआ न हो।

अनबन पुं. (तद्.) 1. बिगाड़ 2. विरोध 3. फूट 4. खटपट।

अनबलंबन पुं. (तत्.) 1. किसी का सहारा या आश्रय न लेने की स्थिति 2. आधार-रहित।

अनबात स्त्री. (तद्.) बुरी बात क्रि.वि. बहुत छोटी बात पर, बिना बात ही।

अनबिंधा वि. (तद्.) अनबेधा, अविद्ध, जिसे बिंधा न गया हो।